मध्य प्रदेश के लिए मिट्टी के तेल, चीनी, खाद्य तेल का कोटा बढ़ाने की मांग

3062. श्री राघवजी : क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्रीय सरकार द्वारा दिए जा रहे मिट्टी के तेल, चीनी, खाद्य तेल आदि के कोटे में वृद्धि करने की मांग की है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने राज्य सरकार की मांग पर क्या निर्णय लिया है; और

(घ) क्या सरकार राज्य में आदिवासियों की भारी जनसंख्या को देखते हुए उपर्युक्त मदों का कोटा बढ़ाने का विचार रखती है ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) से (घ) केंद्रीय सरकार को मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों/संघों राज्य क्षेत्रों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वस्तुओं का अतिरिक्त आवंटन करने हेतु अनुरोध समय-समय पर प्राप्त होते रहते हैं। केन्द्रीय सरकार केंद्रीय पूल में उपलब्धता, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की परस्पर आवश्यकताओं और मौसमजन्य बातों जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वस्तुओं का थोक में आवंटन करती है । अतिरिक्त आवंटन हेतु ऐसे अनुरोधों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वस्तुओं का मासिक आवंटन किए जाने से पहले विचार किया जाता है । गत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश को मिट्टी के तेल का वार्षिक आवंटन निम्नवत रहा है :—

1992.	3,81,547 मी. टन
1993.	3,99,432 मी. टन
1994.	4 41,969 मी. टन

मध्य प्रदेश को सुपीरियर मिट्टी के तेल के आवंटन में प्रतिशत वृद्धि इन वर्षों के दौरान सुपीरियर मिट्टी के तेल के कुल आवंटन में समग्र प्रतिशत वृद्धि की तुलना में अधिक रही है ।

चीनी की उपलब्धता में विभिन्न बाधाओं के कारण किसी भी राज्य को लेवी चीनी के आवंटन में वृद्धि नहीं की गई है ।

गत दो वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए आयातित खाद्य तेल की कोई मांग नहीं की गई है ।

कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा कोककारी कोयले का उत्पादन

3063. प्रो० राम बक्श सिंह वर्मा : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोल इंडिया लि० तथा इसकी सहायक कंपनियों द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्ष वार तथा सहायक कंपनी वार कोककारी कोयले (कोकिंग कोल) का कितना-कितना उत्पादन किया गया; और

(ख) क्या कोल इंडिया लि० ने कोककारी कोयले (कोकिंग कोल) का स्तर सुधारने हेतु कोई उपाय किए हैं जैसा कि इस्पात और अन्य उद्योगों द्वारा अपेक्षित है ?